

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1315] No. 1315] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 27, 2016 / ज्येष्ठ 6, 1938 NEW DELHI, FRIDAY, MAY 27, 2016/JYAISTHA 6, 1938

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 2016

का.आ. 1904(अ) —केंद्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2016 (2016 का 28) की धारा 163 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 1 जून, 2016 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम का अध्याय 8 प्रवृत्त होगा।

[अधिसूचना सं. 37/2016/फा. सं. 370142/12/2016-टीपीएल]

लक्ष्मी नारायण, अवर सचिव (कर नीति और विधान)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 2016

S.O. 1904(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 163 of the Finance Act, 2016 (28 of 2016), the Central Government hereby appoints the 1st day of June, 2016 as the date on which Chapter VIII of the said Act shall come into force.

[Notification No. 37/2016/F. No. 370142/12/2016-TPL]

LAKSHMI NARAYANAN, Under Secy. (Tax Policy and Legislation)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 2016

समकरण उद्ग्रहण नियम, 2016

का.आ. 1905(अ).—केंद्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2016 (2016 का 28) की धारा 179 की उप-धारा (1) और उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समकरण उद्गहण से संबंधित निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ -- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम समकरण उद्ग्रहण नियम, 2016 है।
 - (2) ये 1 जून, 2016 से प्रवृत होंगे ।
- 2. परिभाषाएं (1) इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--
 - (क) "अधिनियम" से वित्त अधिनियम, 2016 (2016 का 28) अभिप्रेत है;
 - (ख) "प्ररूप" से इन नियमों के परिशिष्ट में दिया गया प्ररूप अभिप्रेत है।
- 3. विनिर्दिष्ट सेवाओं, समकरण उद्ग्रहण आदि के लिए प्रतिफल का पूर्णांकित किया जाना अधिनियम के अध्याय 8 के उपबंधों के अधीन विनिर्दिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिफल की रकम और समकरण उद्ग्रहण की रकम, संदेय ब्याज और शास्ति तथा देय प्रतिदाय की रकम को दस रुपए के निकटतम गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए रुपए का कोई भाग, जिसमें पैसा है, को छोड़ दिया जाएगा और तत्पश्चात् यदि ऐसी रकम दस का गुणांक नहीं है तब यदि उस रकम में अंतिम अंक पाँच या अधिक है तो रकम को अगली उच्चतर रकम में बढ़ा दिया जाएगा, जो दस का गुणांक है और यदि अंतिम अंक पाँच से कम है तो रकम को अगली निम्नतम रकम तक घटा दिया जाएगा जो दस का गुणांक है।
- **4. समकरण उद्ग्रहण का संदाय –** प्रत्येक निर्धारिती, जिससे समकरण उद्ग्रहण की कटौती और संदाय करना अपेक्षित है ऐसे उद्ग्रहण की रकम का केंद्रीय सरकार के खाते में भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में समकरण उद्ग्रहण चालान के साथ जमा करके संदाय करेगा।
- **5. विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण** (1) अधिनियम की धारा 167 की उप-धारा (1) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण प्ररूप सं. 1 में सम्यकत: उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित होगा और उसे निर्धारिती द्वारा निम्नलिखित रीति में प्रस्तुत किया जा सकेगा, अर्थात् :--
 - (i) अंकीय हस्ताक्षर के अधीन इलैक्ट्रानिकी रीति में विवरण प्रस्तुत करना ; या
 - (ii) इलैक्ट्रानिकी सत्यापन कूट के अधीन इलैक्ट्रानिकी प्ररूप में डाटा के पारेषण के माध्यम से।
- (2) किसी वित्तीय वर्ष के दौरान समकरण उद्ग्रहण से प्रभार्य सभी विनिर्दिष्ट सेवाओं के संबंध में प्ररूप सं. 1 में विवरण उस वित्त वर्ष के तुरंत पश्चातवर्ती 30 जून को या उससे पूर्व प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) प्रधान आय-कर महानिदेशक (प्रणाली) डाटा के सुरक्षित कैप्चर और पारेषण का सुनिश्चय करने के लिए प्रक्रिया, प्ररूपों और मानकों को अधिकथित करेगा और वह उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में विवरण को प्रस्तुत करने के संबंध में समुचित सुरक्षा, अभिलेखीय और पुन: प्राप्ति नीतियों को तैयार करने और कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी होगा।
- स्पष्टीकरण इस नियम के प्रयोजनों के लिए "इलैक्ट्रानिकी सत्यापन कूट" से प्रधान आय-कर महानिदेशक (प्रणाली) द्वारा अधिकथित डाटा संरचना और मानकों के अनुसार विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति के इलैक्ट्रानिकी सत्यापन के प्रयोजन के लिए सृजित कूट अभिप्रेत है।
- 6. विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण मंगाने के लिए सूचना में विनिर्दिष्ट की जाने वाली समय- सीमा जहां कोई निर्धारिती नियम 5 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर विवरण प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो निर्धारण अधिकारी ऐसे व्यक्ति को सूचना की तामील की तारीख से 30 दिन के भीतर नियम 5 में विनिर्दिष्ट प्ररूप और उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित विवरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा करते हुए सूचना जारी कर सकेगा।
- 7. मांग की सूचना –अधिनियम के अध्याय 8 के उपबंधों के अधीन पारित किसी आदेश के परिणामस्वरूप जब कोई उद्ग्रहण, ब्याज या शास्ति संदेय है तो निर्धारण अधिकारी निर्धारिती को प्ररूप सं. 2 में संदेय राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए मांग की सूचना की तामील करेगा :

परंतु जहां अधिनियम की धारा 168 की उप-धारा (1) के अधीन निर्धारिती द्वारा संदेय राशि का अवधारण किया जाता है तो उक्त धारा के अधीन संसुचना को मांग की सूचना माना जाएगा ।

8. आय-कर आयुक्त (अपील) को अपील का प्ररूप – (1) आयुक्त (अपील) को अधिनियम की धारा 174 की उप-धारा (1) के अधीन अपील प्ररूप सं. 3 में निम्नलिखित रीति में प्रस्तुत की जाएगी, अर्थात् :--

- (i) अंकीय हस्ताक्षर के अधीन इलैक्ट्रानिकी रीति में ; या
- (ii) इलैक्ट्रानिकी सत्यापन कूट के माध्यम से इलैक्ट्रानिकी रूप में।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट अपील का प्ररूप उस व्यक्ति द्वारा सत्यापित किया जाएगा, जिसे निर्धारिती को यथा लागू नियम 5 के अधीन विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण सत्यापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- (3) प्ररूप सं. 3 के साथ किसी दस्तावेज को उस रीति में प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें प्ररूप सं. 3 प्रस्तुत किया जाता है।
- (4) प्रधान आय-कर महानिदेशक (प्रणाली) -
 - (i) प्ररूप सं. 3 में इलैक्ट्रानिकी रूप से फाइलिंग करने की प्रक्रिया को अधिकथित करेगा ;
 - (ii) उक्त प्ररूप को प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति के सत्यापन के प्रयोजन के लिए उपनियम (2) में निर्दिष्ट इलैक्ट्रानिकी सत्यापन कूट की डाटा संरचना, मानकों और रीति को अधिकथित करेगा ; और
 - (iii) इस प्रकार प्रस्तुत उक्त प्ररूप के संबंध में समुचित सुरक्षा, अभिलेखीय और पुनर्प्राप्ति नीतियों को बनाने और कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी होगा ।
- **9. अपील अधिकरण को अपील करने की रीति –** अपील अधिकरण को अधिनियम की धारा 175 की उप-धारा (1) या उप-धारा (2) के अधीन अपील प्ररूप सं. 4 में की जाएगी और जहां निर्धारिती द्वारा अपील की जाती है, वहां अपील का प्ररूप अपील के आधार और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर निर्धारिती को यथा लागू प्ररूप सं. 4 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

परिशिष्ट

प्ररूप सं. 1

[समकरण उद्गहण नियम, 2016 का नियम 4 देखें]

विनिर्दिष्ट सेवाओं का विवरण

ईएल - 1

ं कृपया अनुदेशों का अनुसरण करें	
ं केवल स्पष्ट अक्षरों का उपयोग करें	अभिस्वीकृति
भाग - क	1, 1, 1, 2, 1,
<u>माग - यः</u>	। केवल कार्यालय उपयोग के लिए
	कवल कायालय उपयाग के लिए
1. निर्धारिती का नाम	प्राप्ति सं. तारीख
2. निर्धारिती का पता	
	प्राप्त करने वाले अधिकारी की
	मुहर और हस्ताक्षर

3. स्थायी लेखा संख्यांक (पैन)	
4. वित्तीय वर्ष	
(जिससे संबंधित विनिर्दिष्ट सेवाएं रिपोर्ट की जा रही हैं) -	
5. वार्ड/सर्कल/रेंज	
6. विनिर्दिष्ट सेवाओं के लिए संदत्त/जमा किए गए विचारण की कुल रकम	(रुपए में)
7. मद 6 पर कटौती किया गया समकरण उद्गहण	
8. कटौती किया गया कुल समकरण उद्गहण	
9. संदत्त कुल समकरण उद्गहण	
10. संदेय/प्रतिदाय समकरण उद्ग्रहण (7-9)	
11. धारा 167 के अधीन संदेय ब्याज	
12. संदत्त ब्याज	

भाग-ख

कटौती किए गए और केंद्रीय सरकार को संदत्त और जमा किए गए समकरण उद्ग्रहण के ब्यौरे

क्रम सं.	विनिर्दिष्ट सेवा उपलब्ध कराने वाले अनिवासी	स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट अनिवासी का पता	स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट अनिवासी का पैन, यदि	संदत्त/जमा किए गए विनिर्दिष्ट सेवाओं के प्रतिफल की रकम	विनिर्दिष्ट सेवाओं के प्रतिफल के रकम के संदाय/जमा करने की	समकरण उद्ग्रहण	ब्याज	शास्ति	बीएस आर कूट	चालान क्रम सं	वह तारीख, जिसको रकम जमा की गई
	का नाम		हों तो	रकम	कर न का तारीख						
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)

20	-	т.	

		सत्यापन	
मैं,		(स्पष्ट अक्षरों में पुरा नाम), पुत्र*/पुत्री	जिसका स्थायी
खाता सं		(स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), पुत्र*/पुत्री है, सदभावपूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरी सर्वोत्तम जाग	नकारी और विश्वास के अनुसार इस विवरण में
दी गई सू	चना सह	ही और पूर्ण है तथा वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 और समकरण उ	द्गहण नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार है ।
		प्रणा करता हूं कि मैं यह विवरण	की क्षमता में कर रहा हूं और मैं यह
विवरण व	करने औ	र उसका सत्यापन करने में सक्षम हूं ।	
तारीख	Г		
			(नाम और हस्ताक्षर)
टिप्पणिय	Π:		
1	*जोल	ागू न हो उसे काट दें ।	
2.		ापू प हा उत्त काट द । रेती से निवासी अभिप्रेत है और जो कोई कारबार या वृत्ति कर रहा है	या कोई अनिवासी जिसका भारत में स्थारी
۷.		रता स निवासा जानेत्रस है आरे जा काई कारवार वा कृतस कर रहा है । है, जिसके द्वारा किसी अनिवासी को विनिर्दिष्ट सेवा के संबंध में (वित्त अ	
		या संदेय समकरण उद्गहण की कटौती करना अपेक्षित है ।	114111411, 2010 17 Mourta 0 17 41(1 100)
3.		रूप निम्नलिखित द्वारा प्रस्तुत और सत्यापित किया जाएगा	
0.	(i)	व्यष्टि या हि.अ.कु. की दशा में आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 1	40 के अधीन आय-कर की विवरणी को
	(.)	सत्यापित करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति ;	
	(ii)	कंपनी की दशा में प्रबंध निदेशक या निदेशक या प्रधान अधिकारी ;	
	(iii)	किसी अन्य दशा में प्रधान अधिकारी ।	
	. ,		
		प्ररूप सं. 2	
		[समकरण उद्ग्रहण नियम, 2016 का नियम 7 दे	खें]
		वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 के अधीन मांग	की सूचना
			ईएल - 2
सेवा में			
			me nt
• • • • • • • • • •			प्रास्थिति
			पैन
		यह सूचना दी जाती है कि वित्त वर्ष के लिए का आपके द्वारा संदेय के रूप में अवधारण किया गया है ।	रुपए की राशि, जिसके ब्यौरे इसके दूसरी
		कम को प्रबंधक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व	
तामील वे	ह 30 दि	न के भीतर संदाय किया जाना चाहिए । पूर्वोक्त राशि के संदाय के लिए 3	30 दिन से अन्यून अवधि अनुज्ञात करने के लिए

- अपर/संयुक्त आय-कर आयुक्त का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया गया है । संदाय के प्रयोजन के लिए चालान संलग्न है ।
- यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते हैं तो पूर्वोक्त अवधि के अंत के पश्चात् आरंभ होने वाली तारीख से प्रत्येक मास या मास के भाग के लिए एक प्रतिशत साधारण ब्याज का वित्त अधिनियम, 2016 की धारा 178 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220(2) के अनुसार संदाय करने के दायी होंगे ।

- 4. यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते हैं तो वित्त अधिनियम, 2016 की धारा 178 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 221 के अनुसार आपको सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् आप पर शास्ति (जो बकाया उद्गहण की रकम के बराबर हो सकेगी) अधिरोपित की जा सकेगी।
- 5. यदि आप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते हैं तो उसकी वसूली के लिए वित्त अधिनियम, 2016 की धारा 178 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 222, धारा 227, धारा 229 और धारा 232 के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।
- 6. यदि आप शास्ति के विरुद्ध अपील करने का आशय रखते हैं तो आप वित्त अधिनियम, 2016 की धारा 174 के अधीन आय-कर आयुक्त (अपील) को इस सूचना की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर नियम 8 में यथा विहित सम्यकत: स्टाम्पित और उस प्ररूप में यथा विहित सत्यापन के पश्चात् प्ररूप सं. 3 में अपील प्रस्तुत कर सकेंगे।

7.	यह रकम	आय-कर	आयुक्त	(अपील) व	रु वित्त	अधिनियम	,2016 布	ा धारा	174 क	अधीन	आदेश	क परिण	ामस्वरूप	दयः	हा गई
है। यदि	आप पूर्वोक	त आदेश वे	ह विरुद्ध	अपील क	रने का इ	आशय रखरे	ने हैं तो आप	उक्त	अधिनिय	यम की	धारा 1	7 5 के अ	ाधीन आय	-कर	अपील
अधिकर	ण को उस	आदेश की	प्राप्ति के	.	दिन	के भीतर	नियम 9 में	यथारि	वेहित प्र	रूप सं.	4 में स	ाम्यकत:	स्टाम्पित	और ि	वेहित
सत्यापन	न के पश्चात्	अपील प्रर	स्तुत कर	सकेंगे ।											

स्थान	
तारीख	निर्धारण अधिकार
	पत

टिप्पणियां:

- 1. अनुपयुक्त पैराओं और शब्दों का लोप कर दें ।
- 2. यदि आप चैक द्वारा रकम के संदाय का आशय करते हैं तो चैक प्रबंधक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के पक्ष में आहरित किए जाएंगे।
- 3. यदि आप रकम के संदाय के लिए समय के विस्तार की ईप्सा करते हैं या किस्तों में रकम के संदाय करने का प्रस्ताव करते हैं तो यथास्थिति, ऐसे विस्तार या किस्तों में संदाय की अनुज्ञा के लिए आवेदन निर्धारण अधिकारी को पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अविध के अवसान के पूर्व किया जाएगा । उक्त अविध के अवसान के पश्चात् प्राप्त अनुरोध पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220(3) के विनिर्दिष्ट उपबंधों के महेनजर कोई विचार नहीं किया जाएगा ।

प्ररूप सं. 3

[समकरण उद्गहण नियम, 2016 का नियम 8 देखें]

आय-कर आयुक्त (अपील) को अपील आयुक्त (अपील) का पदनाम

.....*की सं.....

ईएल – 3

1.	अपीलार्थी का नाम और पता	
2.	स्थायी लेखा संख्या	
3.	वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है	
4.	निर्धारण अधिकारी, जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई हो	
5.	उस आदेश के ब्यौरे, जिसके विरुद्ध अपील की गई है	
	(क) वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की धारा और उप-धारा,	
	जिसके अधीन वह आदेश पारित किया गया है, जिसके विरुद्ध	
	अपील की गई है	

	(ग)		(ख) आदेश की तारीख							
		मांग की सूचना की तामील करने की तारीख	Т							
		स वित्त वर्ष के लिए कोई विवरण फाइल ि	केया गया है, जिसके		हां/नहीं					
	संबंध	में अपील की गई है								
6.1	यदि 6	का उत्तर हां हैं तो विवरण फाइल करने की	तारीख							
6.2	क्या वि	वेनिर्दिष्ट सेवाओं के लिए कटौती किए गए	समकरण उद्ग्रहण का		हां/नहीं					
	संदाय	किया गया है								
6.3	यदि 6	.2 का उत्तर हां हैं तो विवरण भरें								
	बीएर	तआरकूट संदाय की क्रम सं	रकम							
		तारीख								
_	**									
		आवेदक की दशा में किसी आयुक्त (अपील) वर्ष के संबंध में कोई अपील लंबित है	किपास किसा अन्य							
7.1		यदि 7 का उत्तर हां हैं तो निम्नलिखित ब्यौ	रे दें		हां/नहीं					
	(क)	आयुक्त (अपील) जिसके पास अपील लंबित	केट							
	(ख)	अपील सं. और अपील फाइल करने की तार्र								
	(ग)	वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है								
	(ঘ)	निर्धारण अधिकारी, जिसके द्वारा पारि	त आदेश के विरुद्ध							
		अपील की गई है								
	(ङ)	वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की	,							
		जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी द्वारा गया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है								
	(च)	गया ह, ।जसका वरुद्ध अपाल का गइ ह ऐसे आदेश की तारीख								
8.	<u> </u>	का विवरण								
		के संक्षेप में तथ्य (1000 शब्दों से अनधिक)								
		तावेजी साक्ष्य, जिस पर निर्भर किया गया है								
	_	करने के आधार								
10.	वह पत	ाा, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा स	ाके गी							

सत्यापन का प्ररूप

में, अविदक एततद्वारा घोषणा करता हू कि पूर्वाक्त किया गया कथन मेरी सर्वात्तम जा	नकारी और
विश्वास के अनुसार सत्य है ।	
आज तारीख को सत्यापित ।	
स्थान	
तारीख	

हस्ताक्षर

टिप्पणियां :

- 1. अपील का प्ररूप उस व्यक्ति द्वारा सत्यापित किया जाएगा, जिसे प्ररूप सं. 1 में विनिर्दिष्ट सेवाओं के विवरण को सत्यापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- 2. * इन विशिष्टियों को आयुक्त (अपील) के कार्यालय में भरा जाएगा ।
- 3. **यदि अपीलें एक से अधिक वित्त वर्ष के संबंध में लंबित हैं तो प्रत्येक वित्त वर्ष के संबंध में पृथक् विशिष्टियां दी जाएं।

- अपील ज्ञापन के साथ एक हजार रुपए की फीस संलग्न होगी।
- 5. फीस को प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में निर्धारण अधिकारी से चालान अभिप्राप्त करके जमा किया जाएगा ।

प्ररूप सं. 4

[समकरण उद्गहण नियम, 2016 का नियम 9 देखें]

अपील की गई है 4. विस्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्देष्ट विस्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्देष्ट : सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदस्त/जमा रकम 6. मद सं. 4 में निर्देष्ट विस्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धित शास्ति की कुल रकम 7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : : 8. विस्त अधिनयम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि		अपील अधिकरण को अपी	त्र का	प्ररूप	ईएल – 4
अपीलार्थी वनाम प्रत्यर्थी 1. बह राज्य, जिसमें आदेश किया गया था 2. विस्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन :		अ	य-क	र अपील अधिकरण मेंर्व	ो *अपील सं.
अपीलार्थी वनाम प्रत्यर्थी 1. बह राज्य, जिसमें आदेश किया गया था 2. विस्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन :					
1. वह राज्य, जिसमें आदेश किया गया था : 2. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन :					
2. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 3. आयुक्त (अपील) जिसने वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 4. वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्त/अमा रकम 4. म सं. 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धित शास्त को कुल रकम 7. मूल आदेश परित करने वाला निर्धारण अधिकारी : वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संमुचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष 11. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 3. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4. आदि	अर्प	ोलार्थी बनाम		प्रत्यर्थी	
2. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 3. आयुक्त (अपील) जिसने वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 4. वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्त/अमा रकम 4. म सं. 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धित शास्त को कुल रकम 7. मूल आदेश परित करने वाला निर्धारण अधिकारी : वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संमुचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष 11. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 3. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4. आदि	1.	वह राज्य. जिसमें आदेश किया गया था			
बहु आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 3. आयुक्त (अपील) जिसने वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध : अपील की गई है 4. वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : सेवाओं के लिए प्रविफल की कुल संदत्त/जमा रकम 6. मद सं. 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धिहत शास्ति की कुल रकम 7. मूल आदेश पारित करने बाला निर्धारण अधिकारी : वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : विश्वास में वावा किया गया अनुतोप 3. 4.आदि 8. वित्त अधिनिधि, यदि कोई हों) 4. अपील के आधार 4. अपील के आधार 4. अपील के आधार 4. आदि 8. सत्यापन 4. सत्यापन 4. सत्यापन 4. सत्यापत 4. सत्यापत 4. सत्यापित 4. सत्यापित 4. सत्यापित 4. सत्यापित		`			
3. आयुक्त (अपील) जिमने वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध : अपील की गई है 4. वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : मेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्ताजमा रकम 6. मद सं. 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्घहित शास्ति की कुल रकम 7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसुचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सुचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सुचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सस्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है । आज तारीख			ľ		
4. वित्त वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है : 5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्ताजमा रकम : 6. मद सं. 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धित शास्ति की कुल रकम : 7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है : 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसुचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलों को मूचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर अपीलों को मूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष : अपील में दावा किया गया अनुतोष सत्यापत सत्यापत सत्यापत सत्यापत सत्यापत सत्यापत <	3.	आयुक्त (अपील) जिसने वह आदेश किया गया था, जिसके विरुद्ध	:	_	
5. मद 4 में निर्दिष्ट वित्त वर्ष के लिए निर्धारिती द्वारा विनिर्दिष्ट : सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्त/जमा रकम । । । । । । । । । <t< td=""><td>1</td><td></td><td></td><td></td><td></td></t<>	1				
सेवाओं के लिए प्रतिफल की कुल संदत्त/जमा रकम 6. मद सं. 4 में निर्दिष्ट विस्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा : उद्धहित शास्ति की कुल रकम 7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : 8. विस्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सत्यापन सं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोस्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है आज तारीख, को					
6. मद सं. 4 में निर्दिष्ट विस्त वर्ष के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा उद्घित शास्ति की कुल रकम : 7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : 8. विस्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन हिर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है : 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संयूचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोप अपील के आधार 1. दिलाक्षर (अपीलार्थी) सत्यापन सत्यापन <td>5.</td> <td>•</td> <td>•</td> <td></td> <td></td>	5.	•	•		
उद्घहित शास्ति की कृल रकम 7. मूल आदेश पारित करने बाला निर्धारण अधिकारी : 8. विस्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष : अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि सत्याधर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सत्यापन में,	6.				
7. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी : 8. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन : निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है : 9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि सत्याधन		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-		
8. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की वह धारा, जिसके अधीन :	7.				
निर्धारण अधिकारी द्वारा आदेश पारित किया गया है		6			
9. जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है, की संसूचना की तारीख : 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) (अपीलार्थी) सत्यापन मैं,	•		·		
10. बह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 11. बह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) (अपीलार्थी) सत्यापन मैं,	9.				
11. बह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी : 12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि स्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) (अपीलार्थी) सत्यापन मैं,					
12. अपील में दावा किया गया अनुतोष अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि					
अपील के आधार 1. 2. 3. 4.आदि					
1. 2. 3. 4.आदि हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) हस्ताक्षर सत्यापन मैं,	14.	3.1131-3.33.11-3.33.11			
हस्ताक्षर हस्ताक्षर हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सत्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है । आज तारीख को सत्यापित स्थान		अपील	के अ	ाधा र	
हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सत्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है आज तारीख, को, सत्यापित स्थान हस्ताक्षर	1.	2.		3.	4.आदि
(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) सत्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है आज तारीख					
सत्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है । आज तारीखकोसत्यापित स्थान हस्ताक्षर	हस्ताक्ष	तर			हस्ताक्षर
सत्यापन मैं,, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है । आज तारीखकोसत्यापित स्थान हस्ताक्षर	-				*
। आज तारीख को सत्यापित स्थान हस्ताक्षर					
स्थान हस्ताक्षर	मैं,	, अपीलार्थी एतद्वारा घोषणा करता हूं कि पूर्वोक्त क	थन मे	ोरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास	। के अनुसार सत्य है
स्थान हस्ताक्षर	T				
 हस्ताक्षर			Ŧ		
·	स्थान				
·					
					हस्ताक्षर (अपीलार्थी)

टिप्पणियां :

- 1. अपील ज्ञापन तीन प्रतियों में होगा, जिसके साथ उस आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है कि दो प्रतियां (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होनी चाहिए) निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियां, प्रथम अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील के आधारों की दो प्रतियां, उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल किए गए तथ्यों के विवरण की दो प्रतियां, यदि कोई हों, संलग्न होंगी।
- 2. वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की धारा 175 की उप-धारा (1) के अधीन निर्धारिती द्वारा अपील ज्ञापन के साथ 1000 रुपए की फीस संलग्न होगी।
- 3. अपील अधिकरण चैंक, ड्राफ्ट, हुंडियों या अन्य पराक्रम्य लिखतों को स्वीकार नहीं करेगा।
- 4. अपील ज्ञापन अंग्रेजी में लिखित होगा या यदि अपील को अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित तत्समय अधिसूचित किसी राज्य में अवस्थित खंडपीठ में फाइल किया जाता है तो अपीलार्थी के विकल्प पर हिंदी में होगी और उसमें संक्षेप में सुभिन्न शीर्षकों के अधीन बिना किसी तर्क के या विवरण के अपील के आधारों को रखा जाएगा तथा उन्हें क्रमवर्ती रूप से संख्यांकित किया जाएगा।
- 5. *अपील की संख्या और वर्ष को अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
- 6. अनुपयुक्त स्तंभों का लोप कर दें।
- 7. यदि उपलब्ध कराया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

टिप्पणियां

- 1. कृपया नोट करें कि मिथ्या पैन को कोट करने पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 272खख के अनुसार 10,000/- रुपए की शास्ति अधिरोपित की जा सकेगी।
- 3. कटौतीकर्ता से निवासी अभिप्रेत है, जो कोई कारबार या वृत्ति कर रहा है या अनिवासी, जिसका भारत में स्थायी स्थापन है, जिसके द्वारा विनिर्दिष्ट सेवा के संबंध में किसी अनिवासी को संदत्त या संदेय रकम से समकरण उद्ग्रहण की कटौती करना अपेक्षित है (वित्त अधिनियम, 2016 के अध्याय 8 की धारा 166)

कृपया सुनिश्चित करें कि बैंक अभिस्वीकृति में निम्नलिखित अंतर्विष्ट हैं :-

- बैंक शाखा का 7 अंकों का बीएसआर कोड
- 2. चालान जमा करने की तारीख (दिन मास वर्ष)
- चालान की क्रम संख्या

इनको आपकी विनिर्दिष्ट सेवाओं के विवरण में उद्दृत किया जाना है।

[अधिसूचना सं. 38/2016 : फा. सं. 370142/12/2016-टीपीएल] लक्ष्मी नारायण, अवर सचिव (कर नीति और विधान)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 2016

EQUALISATION LEVY RULES, 2016

- **S.O. 1905(E).** In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (2) of Section 179 of the Finance Act, 2016 (28 of 2016), the Central Government hereby makes the following rules for carrying out the provisions of Chapter VIII of the said Act relating to Equalisation levy, namely:-
- 1. Short title and commencement. (1) These rules may be called the Equalisation levy Rules, 2016.
 - (2) They shall come into force on the 1st day of June, 2016.

- 2. **Definitions.** In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Finance Act, 2016 (28 of 2016);
 - (b) "Form" means Forms appended to these rules.
- **3. Rounding off of consideration for specified services, equalisation levy, etc.** The amount of consideration for specified services and the amount of Equalisation levy, interest and penalty payable, and the amount of refund due, under the provisions of Chapter VIII of the Act shall be rounded off to the nearest multiple of ten rupees and, for this purpose any part of a rupee consisting of paise shall be ignored and thereafter if such amount is not a multiple of ten, then, if the last figure in that amount is five or more, the amount shall be increased to the next higher amount which is a multiple of ten and if the last figure is less than five, the amount shall be reduced to the next lower amount which is a multiple of ten.
- **4. Payment of Equalisation levy.** Every assessee, who is required to deduct and pay equalisation levy, shall pay the amount of such levy to the credit of the Central Government by remitting it into the Reserve Bank of India or in any branch of the State Bank of India or of any authorised Bank accompanied by an equalisation levy challan.
- **Statement of specified services.** (1) The statement of specified services required to be furnished under subsection (1) of Section 167 of the Act shall be in Form No. 1, duly verified in the manner indicated therein, and may be furnished by the assessee in the following manner, namely:-
 - (i) electronically under digital signature; or
 - (ii) electronically through electronic verification code.
- (2) The statement in Form No.1 in respect of all the specified services chargeable to equalisation levy during any financial year shall be furnished on or before the 30th June immediately following that financial year.
- (3) The Principal Director-General of Income-tax (Systems) shall, for the purpose of ensuring secure capture and transmission of data, lay down the specific procedures, formats and standards and shall also be responsible for evolving and implementing appropriate security, archival and retrieval policies in relation to furnishing the statement under sub-rule (1).

Explanation: For the purposes of this rule "electronic verification code" means a code generated for the purpose of electronic verification of the person furnishing the statement of specified services as per the data structure and standards laid down by the Principal Director- General of Income-tax (Systems).

6. Time limit to be specified in the notice calling for statement of specified services. -

Where an assessee fails to furnish the statement within the time specified in sub-rule (2) of rule 5, the Assessing Officer may issue a notice to such person requiring him to furnish, within thirty days from the date of service of the notice, the statement in the Form prescribed in rule 5 and verified in the manner indicated therein.

7. Notice of demand. — Where any levy, interest or penalty is payable in consequence of any order passed under the provisions of Chapter VIII of the Act, the Assessing Officer shall serve upon the assessee a notice of demand in Form No. 2 specifying the sum so payable:

Provided that where any sum is determined to be payable by the assessee under sub-section (1) of Section 168 of the Act, the intimation under the said Section shall be deemed to be a notice of demand.

- **8.** Form of appeal to Commissioner of Income-tax (Appeals). (1) An appeal under sub-section (1) of Section 174 of the Act to the Commissioner of Income-tax (Appeals) shall be made in Form No. 3 in the following manner, namely:-
 - (i) electronically under digital signature; or
 - (ii) electronically through electronic verification code.
- (2) The form of appeal referred to in sub-rule (1), shall be verified by the person who is authorised to verify the statement of specified services under rule 5, as applicable to the assessee.

- (3) Any document accompanying Form No.3 shall be furnished in the manner in which the Form No.3 is furnished.
- (4) The Principal Director General of Income-tax (Systems) shall
 - i. lay down the procedure for electronic filing of Form No.3;
 - ii. lay down the data structure, standards and manner of generation of electronic verification code, referred to in sub rule-(2), for the purpose of verification of the person furnishing the said form; and
 - iii. be responsible for formulating and implementing appropriate security, archival and retrieval policies in relation to the said form so furnished.
- **9. Form of appeal to Appellate Tribunal.** An appeal under sub-section (1) or sub-section (2) of Section 175 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No.4, and where the appeal is made by the assessee, the form of appeal, the grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by the person specified in Form No.4, as applicable to the assessee.

APPENDIX

FORM NO. 1 [See rule 4 of Equalisation levy Rules, 2016] STATEMENT OF SPECIFIED SERVICES

EL-1

(IN RS.)

☐ Please follow instructions. ☐ Use block letters only. PART-A	ACKNOWLEDGEMENT For Office use only
1. NAME OF THE ASSESSEE	Receipt No. Date
2. ADDRESS OF THE ASSESSEE	
	Seal and Signature of
	Receiving Official
3. PERMANENT ACCOUNT NUMBER (PAN)	
4. FINANCIAL YEAR	
(SPECIFIED SERVICES RELATING TO WHICH ARE REPORTED) -	- 📗
5. WARD/ CIRCLE/ RANGE	

6. TOTAL AMOUNT OF CONSIDERATION FOR SPECIFIED SERVICES PAID/CREDITED	
7. EQUALISATION LEVY DEDUCTIBLE ON ITEM 6	
7. EQUALISATION ELVI BEBUCHBEE ON THEM?	
8. TOTAL EQUALISATION LEVY DEDUCTED	
9. TOTAL EQUALISATION LEVY PAID	
10. EQUALISATION LEVY PAYABLE/ REFUNDABLE (7-9)	
11. INTEREST PAYABLE UNDER SECTION 167	
12. INTEREST PAID	
PART-B	
DETAILS OF EQUALISATION LEVY DEDUCTED AND PAID TO THE CREDIT OF THE CE GOVERNMENT	ENTRAL
SI. Name of the non-resident non-providing specified service to in column 2 Name of the non-resident referred service 2 Name of the non-resident referred service 2 Name of the non-resident non-providing specified service services of column 2 Name of the non-resident non-providing resident services of consideration services of consideration services services services Name of Address of the available consideration payment/cred it of amount of p	Date on which amount deposit ed
(1) (2) (3) (4) (5) (6) (7) (8) (9) (10) (11)	(12)
VERIFICATION I,	nce with

1. *Delete whichever is not applicable.

- 2. Assessee means a resident and carrying on business or profession or a non-resident having a permanent establishment in India, who is required to deduct the equalisation levy from the amount paid or payable to a non-resident in respect of specified service (section 166 of the Chapter VIII of the Finance Act,2016).
- 3. This Form is to be furnished and verified by-
 - (i) In case of an Individual or HUF, the person authorised to verify the return of income under Section 140 of the Income-tax Act, 1961;
 - (ii) In case of company, Managing Director or Director or Principal Officer;
 - (iii) In any other case; Principal Officer.

FORM NO. 2

[See rule 7 of Equalisation levy Rules, 2016] Notice of demand under Chapter VIII of the Finance Act, 2016

EL-2

Address

То	
	StatusPAN
1. This is to give you notice that for the financial year a sum of R are given on the reverse, has been determined to be payable by you.	s, details of which
2. The amount should be paid to the Manager, authorised Bank or State Bank of State Ba	approval of the Additional/ Joint
3. If you do not pay the amount within the period specified above, you shall be per cent for every month or part of a month from the date commencing after the end o with Section 220(2) of the Income-tax Act, 1961 read with Section 178 of the Finance	f the period aforesaid in accordance
4. If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, per amount of levy in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonal accordance with Section 221 of the Income-tax Act, 1961 read with Section 178 of the	ble opportunity of being heard in
5. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedin taken in accordance with sections 222, 227, 229 and 232 of the Income-tax Act, 1961 178 of the Finance Act, 2016.	~
6. If you intend to appeal against the penalty, you may present an appeal und 2016, to the Commissioner of Income-tax (Appeals) within thirty days of the receipprescribed in rule 8, duly stamped and verified as laid down in that form.	
7. The amount has become due as a result of the order of the Commissioner of I 174 of the Finance Act, 2016. If you intend to appeal against the aforesaid order, Section 175 of the said Act to the Income-tax Appellate Tribunalwithin sixty of Form No. 4, as prescribed in rule 9, duly stamped and verified as laid down in that for	you may present an appeal under days of the receipt of that order, in
Place Date	Assessing Officer

Notes:

- 1. Delete inappropriate paragraphs and words.
- 2. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque shall be drawn in favour of the Manager, authorised Bank or State Bank of India or Reserve Bank of India.
- 3. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by installments, the application for such extension or as the case may be, permission to pay by installments, shall be made to the Assessing Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of

the said period will not be entertained in view of the specific provisions of Section 220(3) of the Income-tax Act, 1961.

FORM NO. 3

[See rule of 8 Equalisation levy Rules, 2016]

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals) Designation of the Commissioner (Appeals)

*No.....of

1.		e and address of the appellant	
2.		nanent Account Number	
3.		ncial year in connection with which the appeal is	
4.		essing Officer passing the order appealed against	
5.	Deta		
٥.	agai	* *	
	(a)	Section and sub-section of Chapter VIII of the Finance	
	()	Act, 2016, under which the order appealed against was	
		passed	
	(b)	Date of order	
	(c)	Date of service of the notice of demand	
-	Who	there a statement has been filed for the financial year in	Vac/Na
6.		ther a statement has been filed for the financial year in ection with which the appeal is preferred	Yes/No
6.1		ply to 6 is yes, date of filing of statement	
6.2		ther equalization levy deducted on specified services has	Yes/No
	beer	paid	
6.3	If re	ply to 6.2 is yes, then enter details	<u> </u>
0.5	11 10	51) to 0.2 is yes, then once details	
	BS	R Code Date of Sl. No. Amount	
		payment	
7.		hether an appeal in relation to any other financial year is	
		ling in the case of the appellant with any Commissioner	
7.1	(Ap	beals) If reply to 7 is yes, then give following details: -	Yes/No
7.1	(a)	Commissioner (Appeals), with whom the appeal is	165/110
	(u)	pending;	
	(b)	Appeal No. and date of filing of appeal;	
	(c)	Financial year in connection with which the appeal has	
		been preferred;	
	(d)	Assessing Officer passing the order appealed against;	
	(e)	Section and sub-section of Chapter VIII of the Finance	
		Act, 2016, under which the Assessing Officer passed the	
	(6)	order appealed against;	
0	(f)	the date of such order	
8.		ement of facts s of case in brief (not exceeding 1000 words)	
8.1		of documentary evidence relied upon	
9.		inds of Appeal	+
10.		ress to which notices may be sent to the appellant	
TO.	Liuu	to to minor notices may be sent to the appenant	1

[भाग II-खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण 15

	Form of Verificat		
	, the appellant, do hereby declare that v	vhat	at is stated above is true to the best of my
	nation and belief. led today the		
	·	• • •	
Date			
			Signature
Notes	•		Signature
1.	The form of appeal shall be verified by a person who is auth	oris	ised to verify the statement of specified services in
	Form No. 1.		,
2.	*These particulars will be filled in the office of the Commiss	ion	ner (Appeals).
3.	**If appeals are pending in relation to more than one fin		
	financial year may be given.		
4.	The memorandum of appeal shall be accompanied by a fee of	f on	ne thousand rupees.
5.	The fee should be credited in a branch of the authorised Ban		
	the Reserve Bank of India after obtaining a challan from the	Ass	sessing Officer.
	FORM NO. 4		
	[See rule 9 of Equalisation levy Ru		s. 20161
	Form of appeal to the Appellate		
In the	Income-tax Appellate Tribunal		
in the	*Appeal Noof		
		• • • •	
	PELLANT Versus		RESPONDENT
AI	I ELEANT Versus		RESTONDENT
1.	The State in which the order was made	:	
2.	Section of Chapter VIII of the Finance Act, 2016 under	:	
2.	which the order appealed against was passed	•	
3.	The Commissioner (Appeals) passing the order appealed	:	
	against		
4.	Financial year in connection with which the appeal is	:	
	preferred		
5.	Total amount of consideration for specified services	:	
	paid/credited by the assessee for the financial year referred		
	to in item 4		
6.	Total amount of penalty levied by the Assessing Officer	:	
	for the financial year referred to in item 4		
7.	The Assessing Officer passing the original order	:	
8.	Section of Chapter VIII of the Finance Act, 2016 under	:	
	which the Assessing Officer passed the order		
9.	Date of communication of the order appealed against	:	
10.	Address to which notices may be sent to the appellant	:	
11.	Address to which notices may be sent to the respondent	:	
12.	Relief claimed in appeal		
	GROUNDS OF	APF	PEAL
1.	2.		3. 4.etc.
Signe	d		Signed
(Auth	orised representative, if any)		(Appellant)
	Verification		
I.	, the appellant, do hereby declare that what	is	s stated above is true to the best of my
	nation and belief.	. 10	accide to the cost of my
	ed today the day of	•••	
Place			
			Signed

Notes:

- 1. The memorandum of appeal shall be in triplicate accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Assessing Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority.
- 2. The memorandum of appeal by an assessee under sub-section (1) of Section 175 of Chapter VIII of Finance Act, 2016 shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.
- 3. The fee shall be credited in a branch of the authorised Bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan and the triplicate challan shall be sent to the Appellate Tribunal with a memorandum of appeal. The Appellate Tribunal shall not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
- 4. The memorandum of appeal shall be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income -tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and shall set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds shall be numbered consecutively.
- 5. *The number and year of appeal will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
- 6. Delete the inapplicable columns.
- 7. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

* NOTES

- 3. Deductor means a resident and carrying on business or profession or a non-resident having a permanent establishment in India, who is required to deduct the equalisation levy from the amount paid or payable to a non-resident in respect of specified service (section 166 of the Chapter VIII of the Finance Act,2016).

KINDLY ENSURE THAT THE BANK'S ACKNOWLEDGEMENT CONTAINS THE FOLLOWING:-

- 1. 7 DIGIT BSR CODE OF THE BANK BRANCH
- 2. DATE OF DEPOSIT OF CHALLAN (DD MM YY)
- 3. CHALLAN SERIAL NUMBER

THESE WILL HAVE TO BE QUOTED IN YOUR STATEMENT OF SPECIFIED SERVICES

[Notification No. 38/2016: F. No. 370142/12/2016-TPL] LAKSHMI NARAYANAN), Under Secy (Tax Policy and Legislation)